

पुस्तक संख्या 7/2020

इसमें से कृष्ण लाल चन्द

नाम
टिप्पणी (क्रमिक)

8-1-20

पत्रावली का राजावत में देना कृष्ण लाल चन्द निम्न
दिनांक 22-11-19 के अनुसार प्राप्त हुआ है जो पुनः
इस रजिस्ट्रार की ओर पेश किया गया है। पत्रावली के
बाद व प्रतिलिपि प्राप्त हुए हैं। अर्थात् प्रतिलिपि
पेश किया कि पत्रावली के प्रथम लोक अदापत्र
की भावना से रजिनामा सब सिद्ध हुआ है। इस
बाद अर्थात् नही चलाना चाहते हैं। इस विद्वांस
द्वारा अर्थात् पत्रावली पत्रावली के बाद एक
प्रतिलिपि की मुना गमा की पत्रावली के प्रथम
लोक अदापत्र की भावना से रजिनामा का
सिद्ध हुआ। रजिनामा ही जानने के बाद
अर्थात् नही चलाने के कारण इस बाकी विद्वांस
विषय जानने के बाद ही मिले जाते हैं। अतः इस
बाकी विद्वांस किया जाता है। पत्रावली का तत्पश्चात्
कार्यवाही समाप्त है।

Debari
by
Lal Bahar
Achal
8/1/20
तत्पश्चात्
जयपुर
Jalant
8/1/20

रूपखण्ड अधिकारी
चाकसू (जयपुर)

